Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

# बनारस घराने के प्रभावशाली तबला वादन में पूर्णसंकल्पित (अविस्तारशील) बंदिशों की महत्ता

**DR. SANDEEP KUMAR PATEL**

Music Department, Sikkim University Gangtok

## सारांश

पूरब बाज़ के अन्तर्गत बनारस तबला वादन का एक ऐसा प्रभावशाली घराना है, जिसमें पूर्णसंकल्पित बंदिशों को अधिकाधिक महत्व दिया जाता है। इन्हीं बंदिशों के माध्यम से तबला वादक अपनी कलात्मकता का परिचय देता है। जिसकी सराहना श्रोताओं के द्वारा सुनने को मिलता है। संक्षेप में यह कहना अधिक उचित होगा, कि उर्दू शायरी का शेर या एक समर्थ नाटक जिस प्रकार पेश होता है, ठीक उसी प्रकार पूर्णसंकल्पित बंदिशें पेश की जाती हैं। अलग-अलग विशेषताओं के अनुसार पूर्णसंकल्पित रचनाओं के विविध वादन प्रकार माने जाते हैं, इन सब रचना प्रकारों को सामान्यतः गत, टुकड़ा, फर्द, चक्रदार इत्यादि नाम से सम्बोधित किया जाता है। ये सब रचनाएं सीमित आकार की होती हैं, किंतु अलग-अलग ढांचे की होती हैं। प्रत्येक रचना का बंध, गठन, शब्द योजना, गणितीय सौंदर्य, गतिमानता, निकास, नाद-सौंदर्य, नज़ाकत और अनुशासन सब भिन्न-भिन्न होते हैं। इन मोटे सूक्ष्म निकासों से की गई रचनाओं की अलग-अलग विशेषताएं सामान्य रसिकों के लिए समझना कठिन होता है, लेकिन विद्वान वादक और बहुश्रुत श्रोताओं के मन में ये सब निकास तथा सौंदर्य तुरंत ध्यान में आ जाते हैं, और उन बंदिशें का रसिकता से उच्च स्तरीय आस्वादन लेते हैं।

## भूमिका

तबला वादन परम्परा के विकास व सौंदर्य निर्माण में बनारस घराने का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। बनारस घराने के प्रभावशाली तबला वादन में पूर्णसंकल्पित बंदिशों का अपना महत्व है। इस शोध पत्र का उद्देश्य यह है कि बनारस घराने में टुकड़ा, परन, चक्रदार, फरमाइशी, कमाली, इत्यादि पूर्णसंकल्पित रचनाओं को अधिक से अधिक महत्व दिया जाता है। लेकिन इस घराने में टुकड़े इतने बृहद आकार के होते हैं कि उन टुकड़ों को पहचानना बहुत मुश्किल होता है कि अमुक रचना, टुकड़ा है या और कुछ। इन पूर्णसंकल्पित रचनाओं को टुकड़ा न कहकर यदि बंदिश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस प्रकार की पूर्णसंकल्पित रचनाएं बनारस घराने के सुप्रसिद्ध तबला वादकों के द्वारा सुनने को मिलता है उन सभी पूर्णसंकल्पित बंदिशों को इस शोध पत्र में संग्रहित किया गया है, हालांकि सभी रचनाएं वृहद आकार की नहीं होती हैं।

बनारस घराने की बहुत सारी बंदिशें चित्र, शिल्प या काव्य जैसी होती हैं। बंदिशकार जिस बंदिश की संकल्पना को साकार करता है, वह बंदिश एक पूर्ण बंदिश मानी जाती है। तबला वादक जब ऐसी बंदिशों को प्रस्तुत करना चाहता है, तब वह उसी रूप में ही पेश करता है जैसे की शिल्पाकृति या चित्राकृति। चित्राकृति या शिल्पाकृति जिस माध्यम से बनती है, ( रंग मिट्टी या धातु) ये सब नश्वर न होने के कारण, निर्मिति होने के बाद, दीर्घकाल तक बनी रहती है। इसलिए हम सैकड़ों हजारों साल पहले बनाई हुई चित्रशिल्पकृतियां आज भी देखकर उनका आस्वादन करते रहते हैं। उसी प्रकार तबला वादन के क्षेत्र में बंदिशों का एक कलाकार से दूसरे कलाकार के माध्यम से निरंतर परिष्कार और संस्कार होता रहता है क्योंकि संगीत कला को प्रायोगिक, प्रयोगजन्य या प्रयोगशील कला माना जाता है।

बनारस घराने के स्वतंत्र तबला वादन के बंदिशों के सांगीतिक क्रिया में शब्द, लय, ताल एवं भाषा इन सभी का कलात्मकपूर्ण संगम होता है। इन पूर्णसंकल्पित बंदिशों में काव्य-भाषा के शब्द केवल नाद निर्माण करने वाले आघात नहीं होते बल्कि उन बंदिशों में मानवीय भाव- भावनाएं अथवा विचार व्यक्त करने वाले आकर्षण क्रियाएं भी मौजूद होती हैं। जो हमारे मन मस्तिष्क को

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

पूर्णतया नादमय बना देती हैं। बनारस को मंदिरों का शहर कहा जाता है। इसलिए इस घराने में काव्यमय भाषा युक्त बंदिशें जैसे गणेश परन, शिव स्तुति, सरस्वती वंदना इत्यादि को अधिकाधिक महत्व दिया जाता है।

इस संसार में कुदरत ने जितनी खूबसूरत दुनिया बनाई उसको सजाने संवारने के लिए अपने कुछ खास हुनरमन्दों को भी भेजा जिनकी कोई कौम नहीं, जाति नहीं, वर्ग व वर्ण का भेद नहीं। उनका धर्म सिर्फ कला की आराधना फकीराना जिंदगी है। ईश्वर ने कुछ खास लोगों को चुना और अपने खजाने से कई अनमोल हुनर एक साथ एक ही कलाकार को सौंप दिए। ऐसे कलाकारों का जिक्र तवारीखों की लाइनों में मिलता है, क्योंकि ऐसे लोग चंद मुद्दतों के बाद पैदा होते हैं। ऐसे शख्सियत से बनारस घराने के सुप्रसिद्ध तबला वादक तथा बनारस घराने के प्रवर्तक पं0 रामसहाय जिनकी संकल्पना को पीढ़ी दर पीढ़ी के कलाकारों ने साकार किया तथा बनारस घराने को तबला वादन के क्षेत्र में विशेष ख्याति दिलाई। बनारस घराने के स्वतंत्र तबला वादन परंपरा में एक से एक सुप्रसिद्ध तबला वादक हुए हैं। जिनके चमत्कारिक, प्रभावशाली तथा विलक्षण वादन से संपूर्ण संगीत जगत को विशेष सीख मिली है, जिसकी प्रशंसा आज भी विद्वान कलाकारों द्वारा सुनने को मिलता है। उन सुप्रसिद्ध तबला वादकों की कुछ प्रसिद्ध पूर्ण संकल्पित बंदिशें इस शोध-पत्र में सम्मिलित किया गया है। बनारस घराने की कुछ प्रसिद्ध पूर्ण संकल्पित बंदिशें जो पं0 रामसहाय जी की हैं। इन बंदिशें का काव्यमय चलन, निकास, नाद सौंदर्य, गतिमानता, शब्द योजना का गठन इत्यादि सूक्ष्म विशेषताओं से परिपूर्ण रचनाएं इस प्रकार हैं-

**पं0 रामसहाय जी की बन्दिश**

धाऽ धिरधिरकिटतक नातिरकिटतक धातिधाऽ ।
×
ऽऽ ऽऽ ऽऽ त्रघेऽन ।
2
ऽऽ ऽधिर धिरधिर किटतक ।
0
धिंना किटतक तऽक्र धिंऽ ।
3
तिंनाकिटतक तातिरकिटतक ताऽ ऽतक ।
×
धिं ऽत्रक धिंधिं नागिना ।
2
धाऽघे ड़नग धाऽघे ऽनग ।
0
तकिट धाऽड़ तऽक घेड़ाऽन ।
3
केड़नगतिरकिट तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट तकधिरकिटतक।
×
तिरकिटतकधिर किटधाऽतिर किटतिरकिट तकताऽन ।
2

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

धिंऽना कत धिंऽ नाऽतिरकिट ।
0
धिंऽना ऽत्रक धिंऽत डाऽन ।
3
धाऽनक तघेनधा ऽनधाऽ किटतक ।
×
धित्तधा गेनधाऽ धिरधिर किटधित्तऽ ।
2
धाऽ केड़ नगतिं केड़ ।
0
नगतिं केड़न गतिं नता ।
3
तकिटधा धाऽतिरकिटतक ताऽतिरकिटतक धाऽतिरकिटतक ।
×
धाऽधिरकत ऽधिरकत धाऽतिरकिटतक ताऽतिरकिटतक ।
2
क्डानतिरकिट तकधिरधिरकिट धाऽ तकिटधा ।
0
धाऽतिरकिटतक ताऽतिरकिटतक धाऽतिरकिटतक धाऽधिरकत ।
3
ऽधिरकत धाऽतिरकिटतक ताऽतिरकिटतक क्ड़ानतिरकिट ।
×
तकधिरधिरकिट धाऽ तकिटधा धाऽतिरकिटतक ।
2
ताऽतिरकिटतक धाऽतिरकिटतक धाऽधिरकत ऽधिरकत्त ।
0
धाऽतिरकिटतक ताऽतिरकिटतक क्ड़ानतिरकिट तकधिरधिरकिट। धा
3 ×

बनारस उत्सव- 2004 में पं0 किशन महाराज द्वारा बजाया गया

**पं0 रामसहाय जी की बन्दिश**

धातिरकिटतक धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक घड़ाऽन ।
×
किटतकताऽ ऽऽकिटतक ताऽऽऽ धिंनाकिटतक ।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

2

तातिरकिटतक तिंनाकिटतक तातिरकिटतक क्ड़ाऽनतातिर ।

0

किटतकघेड़ाऽन धातिरकिटतक तकघेड़ाऽनधा धेड़नगतिरकिट ।

3

कतऽऽऽ ऽऽकत दिंऽऽऽ दिंऽऽऽ ।

×

किटतकताऽ किटतकताऽ तिंनाकिटतक तातिरकिटतक ।

2

कऽततिरकिटतक तातिरकिटतक घेतिरकिटतक धातिरकिटतक ।

0

कताऽनधाऽ घेड़नगतिऽ नगधित्तऽधित्त ऽधिरधिरकिट । धा

3 ×

दरबार महोत्सव- पं0 कुमार बोस द्वारा बजाया गया

**पं0 रामसहाय जी की बन्दिश**

**तोटक छन्द**

धेटेधेता क्रधेऽत्त धादिंऽना कतेटेता ।

×

नातेटेता कदिंऽता क्रधाऽक्र धातिघेन ।

2

धाधाऽन धेटेधेटे क्रधाऽक्र धातिघेन ।

0

कदिंऽन कतिरकिटधा तूनाकऽ तधिरधिरकिट। धा

3 ×

डमरू महोत्सव पुना- पं0 कुमार बोस द्वारा बजाया गया

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

**पं0 भैरव सहाय की बन्दिश**

धा धिं धिं धागेते ।

×

टेतेटे तागेते टेतेटे ताऽन ।

2

धाऽऽ ऽऽऽ ताऽन धाऽऽ ।

0

धाऽधा ऽधाऽ तिरकिटतकतिर किटतकधेत्त ।

3

ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक धाऽऽऽ तिरकिटतकतिर ।

×

किटतकधेत्त ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक धाऽऽऽ ।

2

तिरकिटतकतिर किटतकधेत्त ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक ।

0

धाऽऽऽ धागेते टेतेट तागेते ।

3

टेतेटे ताऽन धाऽऽ ऽऽऽ ।

×

ताऽन धाऽऽ धाऽधा ऽधाऽ ।

2

तिरकिटतकतिर किटतकधेत्त ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक ।

0

धाऽऽऽ तिरकिटतकतिर किटतकधेत्त ऽऽऽऽ ।

3

धिरधिरकिटतक धाऽऽऽ तिरकिटतकतिर किटतकधेत्त ।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

×

ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक धाऽऽऽ धागेते ।

2

टेतेटे तागेते टेतेटे ताऽन ।

0

धाऽऽ ऽऽऽ ताऽन धाऽऽ ।

3

धाऽधा ऽधाऽ तिरकिटतकतिर किटतकधेत्त ।

×

ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक धाऽऽऽ तिरकिटतकतिर ।

2

किटतकधेत्त ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक धाऽऽऽ ।

0

तिरकिटतकतिर किटतकधेत्त ऽऽऽऽ धिरधिरकिटतक। धा

3 ×

कालीदास संगीत समारोह- पं0 किशन महाराज द्वारा बजाया गया

**पं0 भैरव सहाय जी की रचना**

धाऽतिरकिटतक तिरकिटधाऽन धातिरकिटतक तातिरकिटतक ।

×

तकतिरकिटतक घेनतराऽन धाऽऽऽ धाऽतिऽ ।

2

घेऽऽन धाऽकिटतक धाऽक्ड़ान धाऽधाऽ ।

0

तिऽघेऽ ऽनधाऽ किटतकधाऽ क्ड़ानधाऽ ।

3

धाऽतिऽ घेऽऽन धाऽकिटतक धाऽक्ड़ान ।

×

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

धाऽ ऽऽ धातिरकिटतक तिरकिधाऽन ।

2

धातिरकिटतक तातिरकिटतक तकतिरकिटतक घिनतराऽन ।

0

धाऽऽऽ धाऽतिऽ घेऽऽन धाऽकिटतक ।

3

धाऽक्ड़ान धाऽधाऽ तिऽघेऽ ऽनधाऽ ।

×

किटतकधाऽ क्ड़ानधाऽ धाऽतिऽ घेऽऽन ।

2

धाऽकिटतक धाऽक्ड़ान धाऽ ऽऽ ।

0

धातिरकिटतक तिरकिटधाऽन धातिरकिटतक तातिरकिटतक।

3

तकतिरकिटतक घिनतराऽन धाऽऽऽ धाऽतिऽ ।

×

घेऽऽन धाऽकिटतक धाऽक्ड़ान धाऽधाऽ ।

2

तिऽघेऽ ऽनधाऽ किटतकधाऽ क्ड़ानधाऽ ।

0

धाऽतिऽ घेऽऽन धाऽकिटतक धाऽक्ड़ान । धा

3 ×

बनारस उत्सव- 2004, पं0 किशन महाराज द्वारा बजाया गया

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

**पं0 भैरव सहाय की बन्दिश**

**फरमाईशी चक्करदार**

क्रधिंऽन घेघेनाड़ ताऽड़धा ऽड़धाऽ। घेघेताघे घेताघेघे धाऽऽऽ ऽऽघेघे ।

× 2

दिंऽदिंऽ दिंऽदिंऽ नाऽड़ना ऽड़नाऽ। धाड़धातिं ऽनधाड़ धातिंनधा ड़धातिंन।

0 3

धाऽऽऽ धाड़धातिं ऽनधाड़ धातिंनधा। ड़धातिंन धाऽऽऽ धाड़धातिं ऽनधाड़।

× 2

धातिंनधा ड़धातिंन धाऽऽऽ क्रधिऽन। घेघेनाड़ ताऽड़धा ऽड़धाऽ घेघेताघे।

0 3

घेताघेघे धाऽऽऽ ऽऽघेघे दिंऽदिंऽ। दिंऽदिंऽ नाऽड़ना ऽड़नाऽ धाड़धातिं।

× 2

ऽनधाड़ धातिंनधा ऽधातिंन धाऽऽऽ। धाड़धातिं ऽनधाड़ धातिंनधा ड़धातिंन।

0 3

धाऽऽऽ धाऽधातिं ऽनधाड़ धातिंनधा। ऽधातिंन धाऽऽऽ क्रधिऽन्न घेघेनाड़।

× 2

ताऽड़धा ऽड़धाऽ घेघेताघे घेताघेघे। धाऽऽऽ ऽऽघेघे दिंऽदिंऽ दिंऽदिंऽ।

0 3

नाऽड़ना ऽड़नाऽ धाड़धातिं ऽनधाड़। धातिंनधा ड़धातिंन धाऽऽऽ धाड़धातिं।

× 2

ऽनधाड़ धातिंनधा ड़धातिंन धाऽऽऽ। धाड़धातिं ऽनधाड़ धातिंनधा ड़धातिंन। धा

0 3 ×

डमरू महोत्सव- कुमार बोस द्वारा बजाया गया

**पं0 बलदेव सहाय जी की बन्दिश**

धा धिं धिं धा ।

×

ऽऽऽत्ति धाऽघेन धाऽक्ड़ा ऽनधाऽ ।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

2

दिंऽताऽ कऽततिट किटधेत्ताऽ तिरकिटतकता ।

0

ऽऽधिरधिरकिट धाऽतिरकिट तकताऽ धिरधिरकिटधा ।

3

तिरकिटतकता ऽऽधिरधिरकिट धाऽ ऽऽऽत्ति ।

×

धाऽघेन धाऽक्ड़ा ऽनधाऽ दिंऽताऽ ।

2

कऽततिट किटधेत्ताऽ तिरकिटतकता ऽऽधिरधिरकिट ।

0

धाऽतिरकिट तकताऽ धिरधिरकिटधा तिरकिटतकता ।

3

ऽऽधिरधिरकिट धाऽ ऽऽऽत्ति धाऽघेन ।

×

धाऽक्ड़ा ऽनधाऽ दिंऽताऽ कऽततिट ।

2

किटधेत्ताऽ तिरकिटतकता ऽऽधिरधिरकिट धाऽतिरकिट ।

0

तकताऽ धिरधिरकिटधा तिरकिटतकता ऽऽधिरधिरकिट। धा

3 ×

कालीदास संगीत समारोह- किशन महाराज द्वारा बजाया गया

**पं0 बलदेव सहाय जी की रचना**

तऽकऽ घेड़नग धिनगिन धाऽऽऽ। ऽऽऽऽ धाऽगेऽ त्रक धिंन ।

× 2

घेड़ नग धिंन तक । त्रक तूना केड़ नग ।

0 3

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

तकदिंन तकतक दिंनतक दिंनतक। ताऽ कत्तधिकिट कतगदिगन धाऽकत।

× 2

धिकिटकत गदिगन धाऽकत धिकिटकत। गदिगन धाऽ ताऽ कत्तधिकिट।

0 3

कतगदिगन धाऽकत धिकिटकत गदिगन। धाऽकत धिकिटकत गदिगन धाऽ।

× 2

ताऽ कत्तधिकिट कतगदिगन धाऽकत। धिकिटकत गदिगनधा कतधिकिट कतगदिगन। धा

0 3 ×

बनारस उत्सव-2004, पं0 किशन महाराज द्वारा बजाया गया।

**पं0 कण्ठे महाराज जी द्वारा रचित एक स्तुति परन**

ऊँ धा निर्मल धा। नाम धा राम धा ।

× 2

श्याम धा नारा यणधाऽ। माधो धागो विंदधाऽ गिरधर ।

0 3

भैऽरव धाऽशिव धाऽगणे ऽशधाऽ। काली लक्ष्मी सरऽस्व तीधा।

× 2

दुर्गा हनूमाऽ नब्रऽ म्हाधा । इंद्र धाइ द्रधा इंद्र । धा

0 3 ×

**पं0 कण्ठे महाराज की बन्दिश**

धेटेधेटे क्रधाक्रऽ धातिऽधा धागेतेटे। तागेतेटे क्रधाघेना नाकिटतकतिं नकतिट।

× 2

ताऽकता घेघेदिंऽ नगत्तिऽता ऽक्रधाऽ। कऽतधाऽ ऽताकिटतक धाऽनगत्ति ऽताऽक्र ।

0 3

धाऽकऽत्त धाऽऽता किटतकधाऽ नगत्तिऽता। ऽक्रधाऽ कऽतधाऽ ऽताकिटतक धाऽधागे।

× 2

तेटेतागे तेटेक्रधा घेनानाकिट तकतिंनक। तिटताऽ कताघेघे दिंऽनगत्ति ऽताऽक्र।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

0 3

धाऽकऽत धाऽऽतकिट तकधाऽ नगत्तिऽता । ऽक्रधाऽ कऽतधाऽ ऽताकिटतक धाऽनग।

× 2

तिऽताऽक्र धाऽकऽत धाऽऽता किटतकधाऽ। धागेतेटे तागेतेटे क्रधाघेना नाकिटतकतिं।

0 3

तकतिट ताऽकता घेघेदिऽ नगत्तिऽता। ऽक्रधाऽ कऽतधाऽ ऽतकिटतक धाऽनगत्ति।

× 2

ऽताऽक्र धाऽकऽत धाऽऽता किटतकधाऽ। नगत्तिऽता ऽक्रधाऽ कऽतधाऽ ऽताकिटतक। धा

0 3 ×

पं0 किशन महाराज द्वारा बजाया गया

**पं0 कण्ठे महाराज की बन्दिश**

धातिरकिटधा तिरकिटधाऽन धातिरकिटतक तातिरकिटतक।

×

तकतिरकिटतक घेनतड़ाऽन धाऽ धाती ।

2

घेन्न घेन्न घेन्न धाकिटतक ।

0

धाऽक्ड़ान धाऽ तिघे न्नघे ।

3

न्नघे न्नधाऽ किटतकधा क्ड़ानधा ।

×

धाती घेन्न घेन्न घेन्न ।

2

धाकिटतक धाऽक्ड़ान धाऽ धातिरकिटधा ।

0

तिरकिटधाऽन धातिरकिटतक तातिरकिटतक तकतिरकिटतक।

3

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

घेनतड़ाऽन धाऽ धाती घेन्न ।

×

घेन्न घेन्न धाकिटतक धाऽक्ड़ान ।

2

धाऽ तिघे न्नघे न्नघे ।

0

न्नधाऽ किटतकधा क्ड़ानधा धाती ।

3

घेन्न घेन्न घेन्न धाकिटतक ।

×

धाऽक्ड़ान धाऽ धातिरकिटधा तिरकिटधाऽन ।

2

धातिरकिटतक तातिरकिटतक तकतिरकिटतक घेनतड़ाऽन ।

0

धाऽ धाती घेन्न घेन्न ।

3

घेन्न धाकिटतक धाऽक्ड़ान धाऽ ।

×

तिघे न्नघे न्नघे न्नधाऽ ।

2

किटतकधा क्ड़ानधा धाती घेन्न ।

0

घेन्न घेन्न धाकिटतक धाऽक्ड़ान । धा

3 ×

कालीदास समारोह- पं0 किशन महाराज द्वारा बजाया गया

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

**पं0 बीरू महाराज की बन्दिश**

**टुकड़ा**

धैत्ता ऽगे धैत्ता ऽगे । धात्रक धिकिट कतग दिगन ।

× 2

तकदि गीतक दिगीना नाकिट । धात्रक धिकिट कतग दिगन ।

0 3

धाकिटतक धाकिटतक तिरकिटतक तिरकिटतक। धाऽतिरघेड़ नगतिरकिट तकतिरकिट तक्ड़ान।

× 2

ऽऽघेड़ नगतिरकिट तकतिरकिट तक्ड़ान। ऽऽघेड़ नगतिरकिट तकतिरकिट तक्ड़ान। धा

0 3 ×

पं0 सामता प्रसाद द्वारा बजाया गया

**पं0 अनोखे लाल मिश्र**

**गत**

धिनगिनतकतकधिनगिन धाडघेेघेतकधिनधाड़गिन धाऽऽऽ..... ऽऽधेतकधिंनधाड़ागिन ।

×

धिनगिनतकतकधिनगिन धाड़घेघेतकधिंनधाड़गिन धिनगिनधाड़ागिनधिनागिन धाधाघेघेतकधिनधाड़ागिन ।

2

तकतिंनतकतिंनतकतिंन तकतिंनतकतिंनतकतिंन तकतकतकतकतकतक तकतकतकतकतकतक।

0

धिरधिरधिरधिरधिरधिर धिरधिरधिरधिरधिरधिर धातिरकिटधातिरकिट धातिरकिटधातिरकिट ।धा

3 ×

**पं0 सामता प्रसाद (गुदई महाराज)**

**चक्करदार टुकड़ा**

धिरधिरकत ऽधिरधिर कतऽधिर धिरकत। धिरधिर किटतकतकिट धाऽधिरधिर किटतकतकिट।

× 2

धाऽधिरधिर किटतकतकिट धाऽ धिरधिरकत। ऽधिरधिर कतऽधिर धिरकत ऽधिरधिर ।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

0 3

किटतकतकिट धाऽधिरधिर किटतकतकिट धाऽधिरधिर। किटतकतकिट धाऽ धिरधिरकत ऽधिरधिर।

× 2

कतऽधिर धिरकत ऽधिरधिर किटतकतकिट। धाऽधिरधिर किटतकतकिट धाऽधिरधिर किटतकतकिट।

0 3

**नौहक्का टुकड़ा**

धा धिं धिं धा । धा धिं धिं धा ।

× 2

धिरधिरकिटतक धाऽ कताघेघे दिंऽ । नगधैत्त ऽऽकत घेनतड़ा ऽनधाऽ।

0 3

दिंता कते टेधिरधिर कतधिरधिर। किटतकतकिट धाधिरधिर कतधिरधिर किटतकतकिट।

× 2

धाधिरधिर कतधिरधिर किटतकतकिट धाधिरधिर। कतधिरधिर किटतकतकिट धाधिरधिर कतधिरधिर।

0 3

किटतकतकिट धाधिरधिर कतधिरधिर किटतकतकिट। धाधिरधिर कतधिरधिर किटतकतकिट धाधिरधिर।

× 2

कतधिरधिर किटतकतकिट धाधिरधिर कतधिरधिर। किटतकतकिट धाधिरधिर कतधिरधिर किटतकतकिट।

0 3

**एकमुखी फर्द**

धाऽघेड़ नगतिर किटतक धाऽघेड़ । नगतिर किटतक धिरधिर किटतक।

× 2

धिरधिर किटतक धिरधिर किटतक। धिरधिर किटतक तिंना किटतक।

0 3

घेड़नग नगतिर किटतक घेड़गन। नगतिर किटतक नगतिर किटतक।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

× 2

दिऽ नदिं ऽन कत । तिरकिट तकता ऽधिर धिरकिट । धा

0 3 ×

**मींड का फर्द**

गिदि ऽन किटतक धाऽ । धाऽघेड़ नगधाऽ घेड़नग धाऽ ।

× 2

धाऽघेड़ नगधाऽ घेड़नग घेड़नग। धिरधिर ऽऽधिर धिरधिर किटतक ।

0 3

किटतक ताऽतिर किटतक किटतक। ताऽतिर किटतक ताऽतिर किटतक।

× 2

दिंऽऽ ऽऽ ऽऽ कत । तिरकिट तकता ऽधिर धिरकिट । धा

0 3 ×

**फरमाईशी चक्करदार**

तकधिंन तकधिंन तकिटत किटधिंन। घेड़नग धीनागीना धागेत्रक तूनाकत्ता।

× 2

धाऽकिटतक धाऽकिटतक तिरकिटतक तिरकिटतक। धाऽकिटतक तकतिरकिट तकतिरकिट तक्ड़ान।

0 3

धाऽ धाऽकिटतक तकतिरकिट तकतिरकिट। तक्ड़ान धाऽ धाऽकिटतक तकतिरकिट।

× 2

तकतिरकिट तक्डान धाऽ तकधिंन । तकधिंन तकिटत किटधिंन घेड़नग ।

0 3

धीनागीना धागेत्रक तूनाकत्ता धाऽकिटतक। धाऽकिटतक तिरकिटतक तिरकिटतक धाऽकिटतक।

× 2

तकतिरकिट तकतिरकिट तक्ड़ान धाऽ। धाऽकिटतक तकतिरकिट तकतिरकिट तक्ड़ान।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

0 3

धाऽ धाऽकिटतक तकतिरकिट तकतिरकिट। तक्डान धाऽ तकधिंन तकधिंन ।

× 2

तकिटत किटधिंन घेड़नग धीनागीना। धागेत्रक तूनाकत्ता धाऽकिटतक धाऽकिटतक।

0 3

तिरकिटतक तिरकिटतक धाऽकिटतक तकतिरकिट। तकतिरकिट तक्ड़ान धाऽ धाऽकिटतक।

× 2

तकतिरकिट तकतिरकिट तक्ड़ान धाऽ। धाऽकिटतक तकतिरकिट तकतिरकिट तक्डान। धा

0 3 ×

**जनानी गत**

घिनाऽधा ऽड़धाऽ ऽऽऽधा ऽड़धाऽ। तूनाकिटतक तातिरकिटतक धिंनाकिटतक धातिरकिटतक।

× 2

क्ड़ानतातिर किटतकघड़ाऽन धातिरकिटतक तातिरकिटतक। तघेऽन ऽऽकत तिरकिटतकतागे

0 3

धिरधिरकिट। धा

×

**फर्द**

घेड़नग तकधाऽ ऽऽघेड़ नगतक । धाऽ ऽऽघेड़ नगतक धाऽ ।

× 2

धिरधिर किटतक धिरधिर किटतक। धिरधिर किटतक तिंना किटतक।

0 3

तिंना तिंना किटतक तिंना । तिंना किटतक तिंना किटतक।

× 2

नग धैत्त तिरकिटतक तैत्त । तिरकिट तकताऽ ऽऽधिर धिरधिर। धा

0 3 ×

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

बनारस घराने के स्वतंत्र तबला वादन प्रस्तुतिकरण में प्रत्येक कलाकार योजनाबद्ध तरीके से पूर्णसंकल्पित बंदिशों का बहुतायत प्रयोग करता है। वे कलाकार स्वतंत्र तबला वादन के प्रत्येक घटक का प्रयोग सौंदर्य निर्माण के लिए करता है। ऐसे कलाकार तबला वादन के प्रस्तुतिकरण में सौंदर्य निर्माण करते हैं, बंदिशों में होने वाले भावों का उचित ढंग से उद्दीपन करते हैं, बंदिश के ढांचे को आकर्षक रीति से प्रस्तुत करते हैं। इस घराने में टुकड़ों का आकार इतना बड़ा होता है कि उसको पहचानना बहुत मुश्किल होता है कि वह टुकड़ा है या चक्रदार इन सभी रचनाओं को हम टुकड़ा नहीं बल्कि 'बंदिश' कहकर संबोधित करें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगा।

## निष्कर्ष

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि बनारस तबला वादन का एक प्रमुख घराना है जिसमें पूर्णसंकल्पित बंदिशों को अधिक से अधिक महत्व दिया जाता है। इस घराने की अधिकतर रचनाएं बृहद आकार की होती हैं जिसको समझना बहुत मुश्किल होता है। इस घराने में एक से एक सुप्रसिद्ध कलाकार हुए हैं जिन्होंने अपने तबला वादन से संपूर्ण संगीत जगत में विशेष ख्याति प्राप्त की है। वर्तमान में बनारस घराने की कई प्रतिष्ठित कलाकार बनारस घराने की तबला वादन परम्परा को अग्रसारित तथा प्रसारित कर रहे हैं।

## संदर्भ

1. https://www.youtube.com/watch?v=YDpbRSRB0zE&t=2s
2. https://www.youtube.com/watch?v=53bqMHxtKAo
3. https://www.youtube.com/watch?v=3NLI3YgO8n0
4. https://www.youtube.com/watch?v=d2oLKCUc0Tg
5. https://www.youtube.com/watch?v=jZ3opyegHp8
6. https://www.youtube.com/watch?v=1pCg-k1vXYY
7 माईणकर, पं0 सुधीर, (प्रथम संस्करण 2005),तबला वादन में निहित सौन्दर्य, सरस्वती पब्लिकेशन मुम्बई।
8 सक्सेना, डॉ0 वसुधा, (प्रथम संस्करण 2006),ताल के लक्ष्य लक्ष्य स्वरूप में एकरूपता, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
9 मिश्र, पं0 छोटेलाल, (प्रथम संस्करण 2006), ताल प्रबंध, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली।